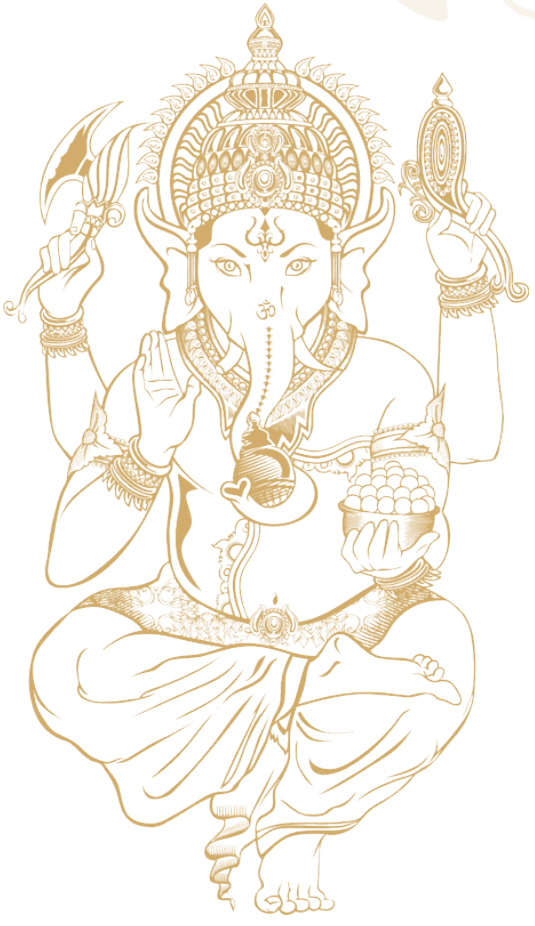

Ruma mallik

09 Apr 2001

05:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121642306

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**09/04/2001**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**17:30:00 घंटे**
इष्ट	28:38:32 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:36 घंटे
साम्पातिक काल	06:20:04 घंटे
सूर्योदय	06:02:35 घंटे
सूर्यास्त	18:43:23 घंटे
दिनमान	12:40:49 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	25:49:27 मीन
लग्न के अंश	10:32:49 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वज्र
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहिणी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	10:32:49	317:56:14	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	---
सूर्य			मीन	25:49:27	00:58:54	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	13:41:24	13:52:38	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
मंगल			वृश्चि	29:40:59	00:18:43	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	स्वराशि
बुध		अ	मीन	11:49:29	01:49:11	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	नीच राशि
गुरु			वृष	15:17:24	00:11:17	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र	व		मीन	09:53:43	00:25:31	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि			वृष	04:49:10	00:06:37	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	15:55:14	00:10:22	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	15:55:14	00:10:22	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष			मक	29:58:11	00:02:18	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	---
नेप			मक	14:38:14	00:01:01	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:16:18	00:00:43	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			मिथु	10:43:53	--	आर्द्रा	--	6	बुध	राहु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:11

लग्न-चलित

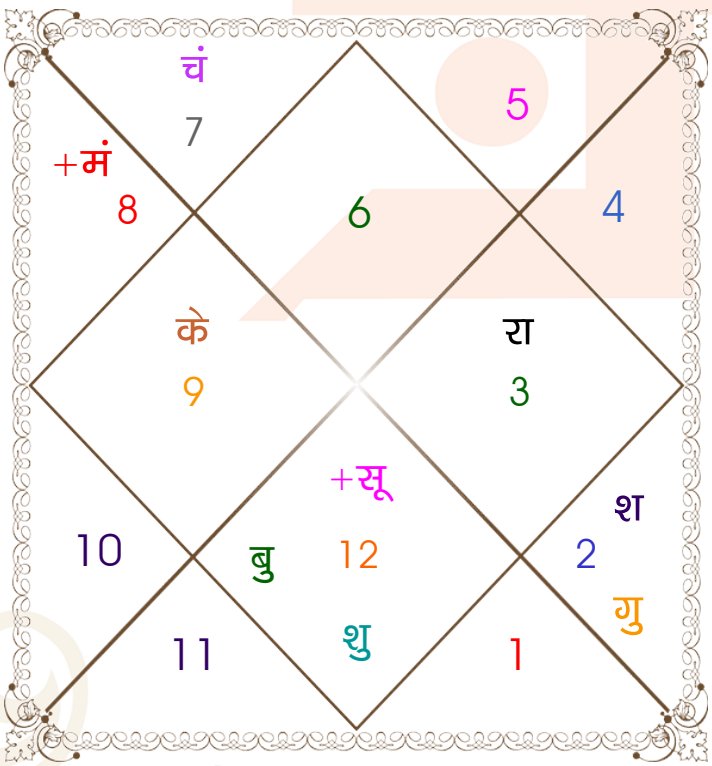

चन्द्र कुंडली

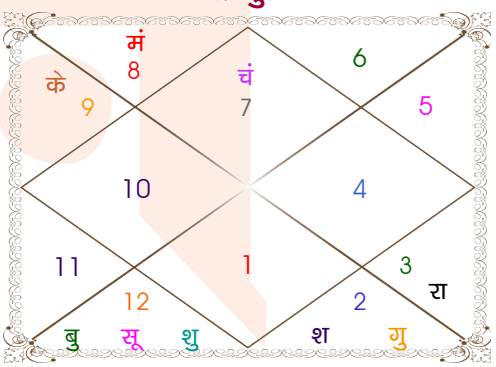

नवमांश कुंडली

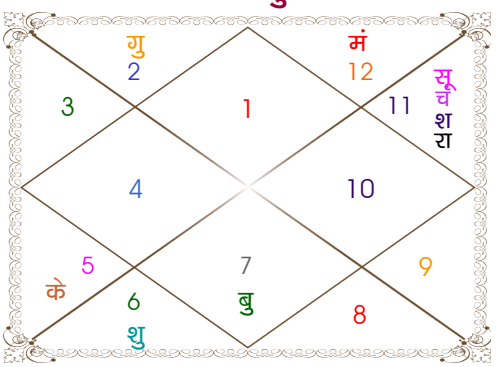

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 8 वर्ष 6 मास 6 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
09/04/2001		16/10/2009		16/10/2025		15/10/2044		16/10/2061	
16/10/2009		16/10/2025		15/10/2044		16/10/2061		15/10/2068	
	00/00/0000	गुरु	04/12/2011	शनि	18/10/2028	बुध	14/03/2047	केतु	14/03/2062
	00/00/0000	शनि	16/06/2014	बुध	29/06/2031	केतु	10/03/2048	शुक्र	14/05/2063
	09/04/2001	बुध	21/09/2016	केतु	06/08/2032	शुक्र	09/01/2051	सूर्य	19/09/2063
बुध	16/04/2002	केतु	28/08/2017	शुक्र	07/10/2035	सूर्य	16/11/2051	चंद्र	19/04/2064
केतु	05/05/2003	शुक्र	28/04/2020	सूर्य	18/09/2036	चंद्र	16/04/2053	मंगल	15/09/2064
शुक्र	05/05/2006	सूर्य	14/02/2021	चंद्र	19/04/2038	मंगल	13/04/2054	राहु	03/10/2065
सूर्य	29/03/2007	चंद्र	16/06/2022	मंगल	29/05/2039	राहु	31/10/2056	गुरु	09/09/2066
चंद्र	27/09/2008	मंगल	23/05/2023	राहु	04/04/2042	गुरु	05/02/2059	शनि	19/10/2067
मंगल	16/10/2009	राहु	16/10/2025	गुरु	15/10/2044	शनि	16/10/2061	बुध	15/10/2068

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
15/10/2068		15/10/2088		16/10/2094		16/10/2104		17/10/2111	
15/10/2088		16/10/2094		16/10/2104		17/10/2111		00/00/0000	
शुक्र	15/02/2072	सूर्य	02/02/2089	चंद्र	16/08/2095	मंगल	15/03/2105	राहु	29/06/2114
सूर्य	14/02/2073	चंद्र	04/08/2089	मंगल	16/03/2096	राहु	02/04/2106	गुरु	22/11/2116
चंद्र	16/10/2074	मंगल	09/12/2089	राहु	15/09/2097	गुरु	09/03/2107	शनि	29/09/2119
मंगल	16/12/2075	राहु	03/11/2090	गुरु	15/01/2099	शनि	17/04/2108	बुध	10/04/2121
राहु	16/12/2078	गुरु	22/08/2091	शनि	17/08/2100	बुध	14/04/2109		00/00/0000
गुरु	16/08/2081	शनि	03/08/2092	बुध	16/01/2102	केतु	10/09/2109		00/00/0000
शनि	15/10/2084	बुध	10/06/2093	केतु	17/08/2102	शुक्र	10/11/2110		00/00/0000
बुध	16/08/2087	केतु	16/10/2093	शुक्र	17/04/2104	सूर्य	18/03/2111		00/00/0000
केतु	15/10/2088	शुक्र	16/10/2094	सूर्य	16/10/2104	चंद्र	17/10/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 8 वर्ष 6 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म हस्त नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्न के उदयकाल में हुआ था। साथ ही उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष राशि का नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काणा भी उदित था। जिसके प्रभाव से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप द्विस्वाभात्मक गुणों युक्त हैं। आप धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन कर धर्म मार्ग में प्रवीण हो गई हैं तथा यह सन्देहास्पद विषय है कि आप इस मार्ग के सहारे अपने लक्ष्य को सम्पादित कर सकेंगी।

आप कुप्रवृति से दूसरों को सताकर धन का संचय करेंगी। ऐसा प्रतीत होता है कि आप धन की सुनिश्चितता के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं। आप निष्ठुर उद्दमी एवं परिश्रमी अध्यवसायी प्रवृति की हैं। आप किसी को भी आकर्षित कर अर्थात प्रलोभन देकर विश्वास दे सकती हैं और मनुष्योचित जरूरतों की पूर्ति हेतु आप कोई स्पष्ट चाल चलकर अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु पश्चाताप करोगी। आप प्रसन्नचित एवं भाग्यशाली महिला हैं। आप संसारिक सुख का आनन्द प्राप्त करेंगी। आप अच्छे हृदय से अनेक प्रकार के सामाजिक कार्य में भाग लेगीं। आप सदैव ही सभी के प्रेम सहवास की आकांक्षा रखेंगी।

आप कई वर्षों तक वैवाहिक संस्कार ग्रहण नहीं करेंगी। परन्तु जब आप एक वार अपने जीवन साथी का चयन कर लेंगी तो विवाहोपरान्त उसमें जोंक की तरह चिपक जाएँगी। अर्थात सदैव उसके तन-मन के साथ रहेंगी। यह सत्य है कि आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण समर्पित रहेंगी। आपके पति आपके साथ एक पति की अनिवार्य भूमिका अदा करेंगे तथा सदैव ही प्रसन्नता की बिन्दु तलाश कर आपको प्रसन्न रखेंगे। आप अपने पति के माध्यम से सदैव ही अच्छी सन्तान ग्रहण करेंगी। आपको उसके सम्बन्ध में कदापि भी उदासीन एवं चिन्तनीय दशा नहीं रहेगी। वह निश्चित रूप से आपकी सन्तान को शिक्षित कर सुविधापूर्वक जीवन को व्यवस्थित कर देंगे।

आपकी सामुद्रिक विदेश की यात्रा सभी प्रकार से मधुर मंगलमय नहीं होगी। आप स्वयं के बचाव के लिए प्रभावशाली बंधन पाल रखा है जो जीवन को अवरोधक एवं द्वन्दात्मक बना दिया है। आप निश्चित रूप से स्वतः एकाग्रतापूर्वक एकमत से विचार कर किसी भी विषय को सम्पादित करने के लिए सक्षम हैं। परन्तु सम्प्रति आपकी बुद्धि अस्थिर है। आप पुनः अव्यवस्था का प्रतिकार कर लिया है तथा आपको सुव्यवस्थित समय का लाभ प्राप्त होगा। आपकी यह विशेषता है कि आप स्वच्छन्द रहती हैं। आप अपने मस्तिष्क को विषय वस्तु की ओर प्रवृत कर आप पुनः उत्साह पूर्वक कार्यारम्भ करने के लिए तैयार हो जाऐं।

यदि आप अपनी स्वास्थ्य रक्षा चाहती हैं तथा युवावस्था का लाभ प्राप्त करना चाहती हैं। अपनी युवावस्था अर्थात मध्यम आयु का आनन्द एवं लाभ प्राप्त करें। आप अपनी जीवन पद्धति की ह्रासमुखी अवधारणा को बदल सकती हैं। अन्यथा आप ज्यो-ज्यों आयु पथ पर प्रौढ़ता प्राप्त करती जाएंगी। आपको मध्यपान का अनुभव प्राप्त होगा और आपको रुग्नकारी प्रभाव से प्रभावित कर देगा। वैसे आप किसी विषम रोग से आक्रान्त तो नहीं होगीं। परन्तु

आपको सिरोवेदना, पीठ के दर्द, ट्यूमर एवं रक्तचाप वृद्धावस्था में कष्टकर न हो। अतः सतर्कता बरतनी चाहिए। सम्प्रति आप दीर्घ जीवन व्यतीत करने के प्रति आश्वस्त रहें। आपको संभावित रोगादि के प्रति सुरक्षात्मक अभिरूचि रखना चाहिए ताकि आपका जीवन रोग मुक्त एवं सुरक्षित रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए वास्तव में अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल हैं तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली रंग पीला, सूआपंखी, हरा रंग है। आपके लिए रंग लाल, बल्लू एवं काला रंग प्रतिकूल है।